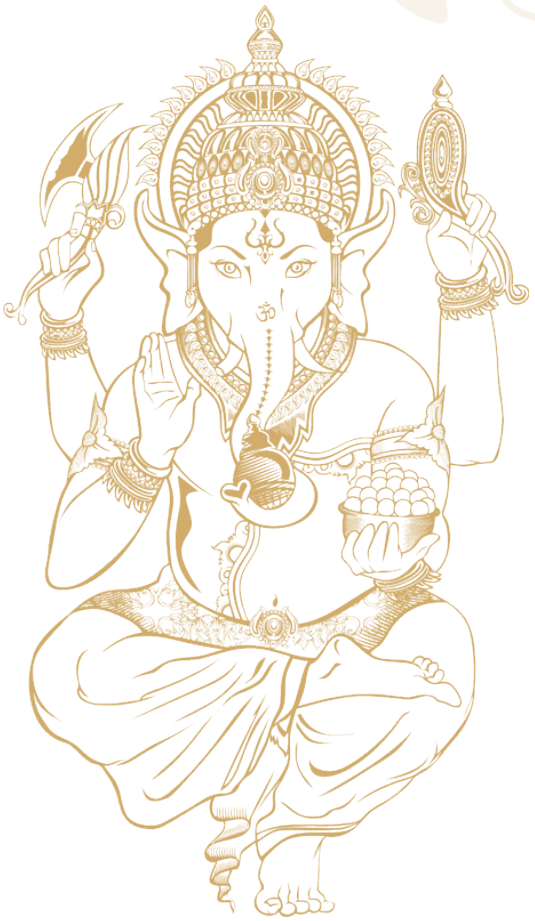

Mr.

20 Aug 1994

11:25 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121765405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/08/1994**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:25:00 घंटे**
इष्ट	14:04:02 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:07:12 घंटे
वेलान्तर	-00:03:28 घंटे
साम्पातिक काल	09:00:34 घंटे
सूर्योदय	05:47:23 घंटे
सूर्यास्त	18:54:33 घंटे
दिनमान	13:07:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:12:46 सिंह
लग्न के अंश	15:04:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शोभन
करण	वणिज
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:04:38	305:50:01	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			सिंह	03:12:46	00:57:44	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	20:28:32	13:23:02	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	08:27:38	00:38:59	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	10:27:17	01:53:20	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			तुला	14:21:32	00:07:46	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	19:09:42	00:59:28	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि	व		कुंभ	16:09:39	00:04:23	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	24:47:38	00:12:08	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	24:47:38	00:12:08	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	29:18:51	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
नेप	व		धनु	27:16:03	00:01:14	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	01:33:04	00:00:30	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	18:53:41	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:10

लग्न-चलित

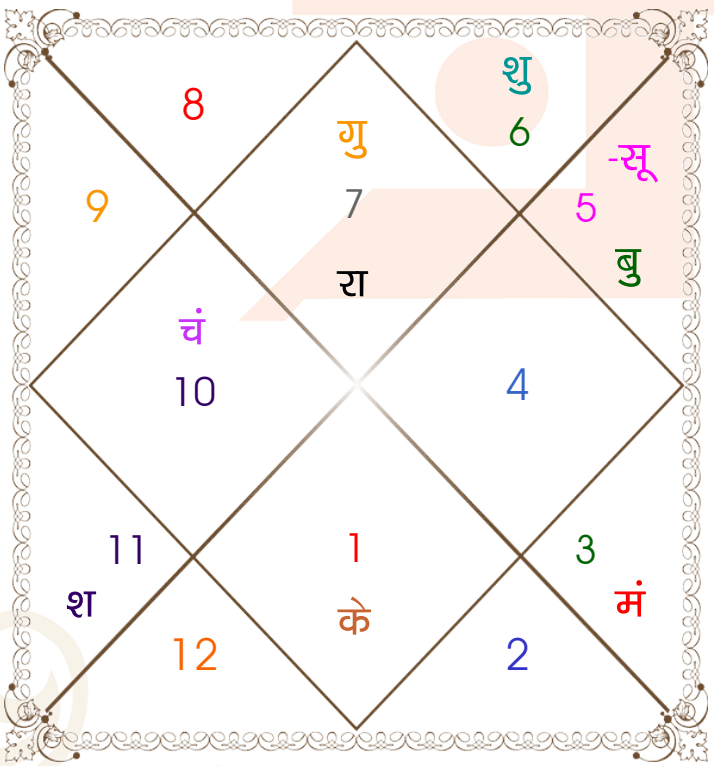

चन्द्र कुंडली

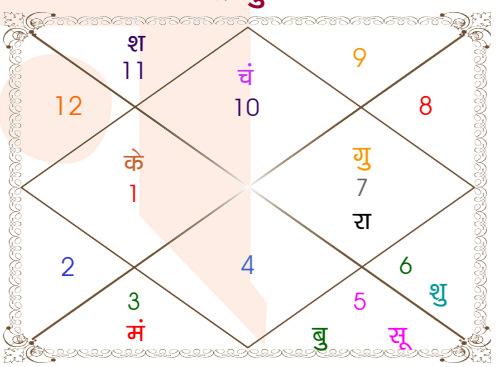

नवमांश कुंडली

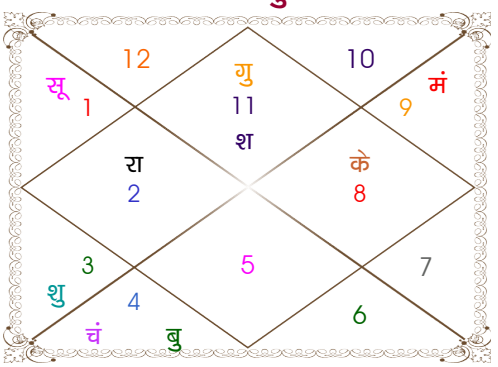

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 1 मास 21 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/08/1994		11/10/1996		12/10/2003		11/10/2021		11/10/2037	
11/10/1996		12/10/2003		11/10/2021		11/10/2037		11/10/2056	
	00/00/0000	मंगल	09/03/1997	राहु	24/06/2006	गुरु	29/11/2023	शनि	14/10/2040
	00/00/0000	राहु	27/03/1998	गुरु	16/11/2008	शनि	12/06/2026	बुध	24/06/2043
	00/00/0000	गुरु	03/03/1999	शनि	23/09/2011	बुध	16/09/2028	केतु	02/08/2044
	00/00/0000	शनि	11/04/2000	बुध	12/04/2014	केतु	23/08/2029	शुक्र	02/10/2047
	00/00/0000	बुध	08/04/2001	केतु	30/04/2015	शुक्र	23/04/2032	सूर्य	13/09/2048
	00/00/0000	केतु	05/09/2001	शुक्र	30/04/2018	सूर्य	10/02/2033	चंद्र	15/04/2050
	20/08/1994	शुक्र	05/11/2002	सूर्य	25/03/2019	चंद्र	12/06/2034	मंगल	25/05/2051
शुक्र	11/04/1996	सूर्य	13/03/2003	चंद्र	23/09/2020	मंगल	18/05/2035	राहु	31/03/2054
सूर्य	11/10/1996	चंद्र	12/10/2003	मंगल	11/10/2021	राहु	11/10/2037	गुरु	11/10/2056

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/10/2056		11/10/2073		11/10/2080		12/10/2100		12/10/2106	
11/10/2073		11/10/2080		12/10/2100		12/10/2106		00/00/0000	
बुध	09/03/2059	केतु	09/03/2074	शुक्र	10/02/2084	सूर्य	29/01/2101	चंद्र	13/08/2107
केतु	06/03/2060	शुक्र	09/05/2075	सूर्य	10/02/2085	चंद्र	31/07/2101	मंगल	13/03/2108
शुक्र	05/01/2063	सूर्य	14/09/2075	चंद्र	11/10/2086	मंगल	06/12/2101	राहु	12/09/2109
सूर्य	11/11/2063	चंद्र	14/04/2076	मंगल	11/12/2087	राहु	31/10/2102	गुरु	12/01/2111
चंद्र	11/04/2065	मंगल	10/09/2076	राहु	11/12/2090	गुरु	19/08/2103	शनि	12/08/2112
मंगल	09/04/2066	राहु	29/09/2077	गुरु	11/08/2093	शनि	31/07/2104	बुध	11/01/2114
राहु	26/10/2068	गुरु	05/09/2078	शनि	11/10/2096	बुध	06/06/2105	केतु	12/08/2114
गुरु	01/02/2071	शनि	15/10/2079	बुध	12/08/2099	केतु	12/10/2105	शुक्र	21/08/2114
शनि	11/10/2073	बुध	11/10/2080	केतु	12/10/2100	शुक्र	12/10/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।